

# Halfyearly Examination 2022-23

## Class 12th

### विषय- सामान्य हिंदी

Time : 2 Hrs

M.M. : 70

- प्र०-1. (क) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक है।  
(अ) जैनेन्द्र कुमार (ब) वासुदेव शरण अग्रवाल  
(स) मुंशी इंशा अल्ला खॉं (द) यशपाल  
(ख) कौन सी रचना उपन्यास नहीं है।  
(अ) परीक्षागुरू (ब) तितली  
(स) अशोक के फूल (द) गबन  
(ग) 'चन्द्रगुप्त' रचना की रचना-विधा है।  
(अ) नाटक (ब) कहानी (स) रेखाचित्र (द) उपन्यास  
(घ) 'सरस्वती' किस युग की प्रकाशित पत्रिका है।  
(अ) भारतेन्दु युग (ब) द्विवेदी युग (स) छायावादी युग  
(ङ) गद्य की किस विधा में काल्पनिक प्रसंगों का स्थान नहीं है।  
(अ) कहानी (ब) उपन्यास (स) नाटक (द) आत्मकथा
- प्र०-2. (क) रीतिकालीन कवि है-  
(अ) जगनिक (ब) मतिराम  
(स) सूरदास (द) मैथिलीशरण गुप्त  
(ख) 'शिवा बावनी' के रचयिता है-  
(अ) कवि बिहारी (ब) चिन्तामणि (स) मतिराम (द) भूषण  
(ग) तुलसीदास के बचपन का नाम था-  
(अ) तुकाराम (ब) आत्माराम  
(स) सीताराम (द) रामबोला  
(घ) निम्नलिखित में कृष्ण भक्ति के कवि नहीं है-  
(अ) सूरदास (ब) नन्ददास (स) नाभादास (द) रसखान  
(ङ) भक्तिकाल का काव्य ग्रनी नहीं है-  
(क) पद्मावत (ब) पृथ्वीराज रासो

(2)

(स) रामचरित मानस (द) सूरसागर

प्र0-3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

संस्कृति के अभ्युदय और विकास के द्वारा ही राष्ट्र की वृद्धि सम्भव है। राष्ट्र के समग्र रूप भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन के साथ-साथ जन की संस्कृति का महत्वपूर्ण स्थान है। यदि भूमि और जन अपनी संस्कृति से विरहित कर दिये जाए तो राष्ट्र का लोप समझना चाहिए। जीवन के विटप का पुण्य संस्कृति है। संस्कृति के सौंदर्य और सौरभ में ही राष्ट्रीय जन के जीवन का सौंदर्य और यश अन्तर्निहित है।

- (क) गद्यांश का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ?
- (ख) राष्ट्र की वृद्धि किसके द्वारा सम्भव है ?
- (ग) राष्ट्र का लोप कब समझना चाहिए ?
- (घ) जीवन के विटप का पुण्य क्या है ?

अथवा

रमणीयता और नित्य नूतनतर अन्योन्याश्रित है। रमणीयता के अभाव में कोई भी चीज मान्य नहीं होती। नित्य न्यूनता किसी भी सर्जक की मौलिक उपलब्धि की प्रमाणिकता सूचित करती है और उसकी अनुपस्थिति में कोई भी चीज वस्तुतः जनता व समाज के द्वारा स्वीकार्य नहीं होती। सड़ी-गली मान्यताओं से जकड़ा हुआ समाज जैसे आगे बढ़ नहीं पाता, वैसे ही पुरानी रीतिओं और शैलियों की परम्परागत लीक पर चलने वाली भाषा भी जन-चेतना को गति देने में प्रायः असमर्थ ही रह जाती है।

- (क) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- (ख) कोई भी चीज समाज में मान्य क्यों नहीं होती है ?
- (ग) किस प्रकार का समाज आगे नहीं बढ़ पाता है ?
- (घ) कैसी भाषा जन चेतना को गति देने में असमर्थ रह जाता है ?

प्र0-4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ज्यो-ज्यों लगती नाव पार, उर में आलोक्ति शत-विचार।

इस धारा-सा जग का क्रम, शास्वत इस जीवन का उद्गम।

(3)

शास्वत है गति, शास्वत संगम।

शास्वत नभ का नीला विकास, शास्वत शशि का रजत हास।

शास्वत लघु लहरों का विकास।

हे जग-जीवन के कर्णधार, चिर जन्म मरण के आर-पार।

शास्वत जीवन नौका विहार।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ख) संसार में शास्वत क्या-क्या है?

(ग) कवि के मन में नौका विहार करते समय कैसे विचार उत्पन्न हो रहे हैं।

(घ) 'शास्वत' और 'रजतहास' शब्द का अर्थ ज्ञात कीजिए।

अथवा

नील परिधान बीच सुकुमार, खुल रहा मृदुल अधखिला अंग।

खिला हो ज्यों बिजल का फूल मेघवन बीच गुलाबी रंग।

ओह! वह मुख! परिश्चम के व्योम, बीज जब धिरते हो घनश्याम।

अरूण रविमण्डल उनको भेद, दिखाई देता हो छविधाम।

(क) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए।

(ख) मेघ-वन में कौन-सा अलंकार है?

(ग) कवि ने श्रद्धा के मुख की तुलना किससे की है।

(घ) प्रस्तुत काव्य पंक्तियाँ किसकी सुन्दरता को चित्रित करती हैं।

प्र0-5. (क) किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(अ) वासुदेवशरण अग्रवाल (ब) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(स) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

(ख) किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(क) अयोध्यासिंह उपाध्याय (ब) जयशंकर प्रसाद

(स) सुमित्रानन्दन पन्त

प्र0-6. पंचलाइट अथवा ध्रुवयात्रा कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

प्र0-7. 'सत्य की जीत' खण्ड काव्य के आधार पर द्रौपदी अथवा दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए।

प्र0-8. निम्न अवतरण का संदर्भ सहित अनुवाद कीजिए।

(4)

महामना विद्वान् वक्ता, धार्मिकोनेता पटुः पत्रकारश्चासीत्, परमस्य सर्वोच्चगुण जनसे वैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान् दुःखितान् पीडयमानाश्चापश्चत् त्रैव स शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधः साहाय्यञ्च अकरोत्। प्राणिसेवा अस्य स्वभाव एवासीत्।

अथवा

- भाषासु मुख्यां मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती।  
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।
- प्र०-९. (क) निम्नलिखित शब्द युग्मों का सही अर्थ चन करके लिखिए-
- (अ) सकल-शकल-
- (i) पदार्थ और सम्पूर्ण (ii) सम्पूर्ण और खण्ड  
(iii) आकृति और प्रकृति (iv) सुबह और संकालु
- (ख) किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए।
- (i) अमृत (ii) वर (iii) कर
- (ग) वाक्यांश के लिए एक शब्द चयन कीजिए।
- (अ) सबसे पहले गिना जाने वाला-
- (i) अग्रगण्य (ii) गण्य (iii) अनन्त (iv) अनगिनत
- (ब) जिसका कोई शत्रु न हो-
- (i) अजन्मा (ii) अजातशत्रु (iii) जातशत्रु  
(iv) शत्रुघ्न
- प्र०-१०. (क) उत्प्रेक्षा अथवा श्लेष अलंकार को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।  
(ख) शान्त रस अथवा वीर रस को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।  
(ग) सरोज अथवा चौपाई को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।
- प्र०-११. किसी बैंक शाखा प्रबंधक को अपनी पुस्तक की दुकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने प्रधानाचार्य को शुल्क-मुक्ति हेतु प्रार्थना-पत्र लिखिए।